विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश अनुसार अग्रवाल महाविद्यालय में ' संविधान दिवस ' मनाया गया। इसमें संविधान की प्रस्तावना व मौलिक कर्तव्यों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कान्त ने आज़ाद भारत के संविधान को पवित्र ग्रंथ मानते हुए कहा कि अधिकार और कर्तव्य साथ–साथ चलने चाहिए। आज अधिकांश लोग अपने अधिकारों के प्रति तो जागरुक हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं हैं। कर्तव्यों का पालन करते ही अधिकार स्वयं प्राप्त हो जाते हैं। राजनीति शास्त्र की प्रवक्ता श्रीमती रितु ने संविधान की प्रस्तावना का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों को भारतीय नागरिक के कर्तव्यों के प्रति जागारुक करते हुए बताया कि प्रत्येक नागरिक को संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय ध्वज, विविध राष्ट्रीय चिन्हों और देश को आज़ादी दिलाने वालों के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती कमल टंडन के साथ श्रीमती किरण आनन्द, डॉ. डिम्पल और डॉ. मीनू अग्रवाल उपस्थित थे।